कोटा में मीडिया संगोष्ठी

ब्रह्माकुमारीज के मीडिया प्रभाग तथा मुल्यानुगत मीडिया अभिक्रम समिति के संयुक्त तत्वावधान में कोटा प्रेस क्लब में 10 फरवरी, 2007 को मीडिया संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र. कु. ओम प्रकाश ने संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए कहा कि रोटी, कपड़ा और की मकान की तरह अब मीडिय भी जीवन का आवश्यक तत्व है। टेक्नोलोजी ने मीडिया को पंख लगाए है और पैदल चल रहा मीडिया अब आकाश में उड़ने लगा है।

आगे उन्होंने कहा कि समय के साथ पत्रकारिता के मूल्यों में बदलाव आया है। पहले यह मिशन, फिर प्रोफेशन और अब व्यवसाय हो गयी है। मीडिया सारे समाज की फिक्र करता है, लेकिन मीडिया के बारे में कोई नहीं सोचता। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय हिन्दी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष, प्रो. कमल दीक्षित ने कहा कितेजी से बदलते परिवेश में पत्रकारों पर कई तरह के दबाव बढ़े है। जीओ और जीने दा की जगह अब प्रतिस्पर्धा की पत्रकारिता होने लगी है। विज्ञापन और प्रसार संख्या की अहमियत ज्यादा हो गयी है। हालांकि पत्रकारिता का ध्येय समाज को बचाना और मानवीय मूल्यों की रक्षा करना है और प्रबंधन के बजाए पत्रकारों के कारण ही पत्रकारिता विश्वास के काबिल है। पत्रकारों को स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

कार्यक्रम के अध्यक्ष कर रहे राष्ट्रीय मुल्यानुगत अभिक्रम समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयकृष्ण गौड़ ने कहा कि मीडिया की शक्ति के साथ खतरे भी बढ़े हैं। आध्यात्मिक सोच की पत्रकारिता कल्याणकारी हो सकती है। आकाशवाणी दिल्ली के निदेशक एस. वी. कपिल ने कहा कि लोगों में पढ़ने की रूचि कम हो रही है। अब टी. वी. का रिमोट हाथ में रहता है। राजस्थान पत्रिका के वरिष्ठ उप सम्पादक नरेश पांचाल ने कहा कि प्रकाशित शब्दों में बहुत शक्ति होती है और इनका अनुचित उपयोग घातक साबित होता है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य आज भी समाज हित ही है। शुरू में प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रद्युम्न शर्मा ने क्लब के गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संयोजक मुनीश जोशी ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रेस क्लब सचिव धीरज गुप्ता तेज ने आभार जताया। डॉ सुशील जोशी ने किया। अन्त में मीडिया प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र. कु. शान्तनु ने आगामी 25 से 28 मई, 2007 तक होने वाले माउण्ट आबू में मीडिया सेमिनार में भाग लेने का हार्दिक निमंत्रण दिया।